

उत्तराखण्ड शासन
वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

संख्या- 86 / X-2-2010-19(34) / 2006टी0सी0 3(1)

देहरादून: दिनांक 10 दिसम्बर, 2010

अधिसूचना गणपती, 2011

विविध

राज्यपाल, भारत का संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके उत्तराखण्ड कार्बेट टाइगर रिजर्व में "स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स" हेतु सेवा में भर्ती और उसमें नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड कार्बेट टाइगर रिजर्व "टाइगर फोर्स वनविद्" सेवा नियमावली, 2010

- | | |
|---------------------------|--|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम कार्बेट टाइगर रिजर्व टाइगर वनविद् सेवा नियमावली, 2010 है।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |
| सेवा की प्रास्थिति | 2. उत्तराखण्ड कार्बेट टाइगर रिजर्व, टाइगर फोर्स वनविद् सेवा एक ऐसी सेवा है, जिसमें समूह "ग" के पद समाविष्ट हैं। |
| अध्यारोही प्रभाव | 3. यह नियमावली भारत का संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल द्वारा बनाये गये किन्हीं अन्य नियमों या तत्समय प्रवृत्त आदेशों में दी गयी प्रतिकूल बात के होते हुए भी प्रभावी होगी। |
| परिभाषाएँ | 4. जब तक विषय या सन्दर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस नियमावली में—
(क) "नियुक्ति प्राधिकारी" से निदेशक कार्बेट टाइगर रिजर्व उत्तराखण्ड से है;
(ख) "भारत का नागरिक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो संविधान के भाग दो के अधीन भारत का नागरिक हो या समझा जाय;
(ग) "संविधान" से "भारत का संविधान" अभिप्रेत है;
(घ) "सरकार" से उत्तराखण्ड राज्य की सरकार अभिप्रेत है;
(ङ) राज्यपाल से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है;
(च) "सेवा का सदस्य" से सेवा के संवर्ग में उक्त पद पर इस नियमावली के प्रारम्भ होने पर प्रवृत्त नियमों या आदेशों के अधीन मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;
(छ) "सेवा" से कार्बेट टाइगर रिजर्व, उत्तराखण्ड में यथास्थिति सुसंगत सेवा नियमावलियों या कार्यकारी अनुदेशों के अधीन गठित "टाइगर फोर्स वनविद्" सेवा अभिप्रेत है।
(ज) "मौलिक नियुक्ति" से सेवा के संवर्ग में उक्त पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो, तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गयी हो; |

(झ) "भर्ती का वर्ष" से किसी कलैण्डर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है।

भाग-2

संवर्ग

सेवा का संवर्ग

5. कार्बेट टाइगर रिजर्व, उत्तराखण्ड में वनविद् पदों के समकक्ष टाइगर फोर्स वनविद् की सदस्य संख्या निम्नवत होगी।

पद का नाम	कुल पदों की संख्या
टाइगर फोर्स वनविद्	18

भाग-3

भर्ती

भर्ती का स्रोत

6. सेवा में टाइगर फोर्स वनविद् की भर्ती निम्न स्रोतों से की जायेगी।

पद नाम	नियुक्ति स्रोत	पदों की संख्या
टाइगर फोर्स वनविद्	सीधी भर्ती	18

आरक्षण

7. उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण, भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जायेगा;

परन्तु यह कि पर्याप्त महिला अभ्यर्थी न होने की दशा में ऐसे सभी पद जो क्षेत्रीय आरक्षण के अन्तर्गत आते हों जिसमें महिला आरक्षण भी सम्मिलित है, को सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों द्वारा भरा जायेगा;

परन्तु यह और कि आरक्षित पदों को अग्रणीत मानते हुए भविष्य में आरक्षण की पूर्ति की जाएगी।

भाग-4

अर्हताएं

राष्ट्रीयता

8. टाइगर फोर्स वनविद् के पदों पर भर्ती के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी—

(क) भारत का नागरिक हो; या

(ख) तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से पहली जनवरी, 1962 के पूर्व भारत आया हो; या

(ग) भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो जिसने भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या, युगाण्डा और यूनाईटेड रिपब्लिक ऑफ

तंजानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो;

परन्तु उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) के अभ्यर्थी को ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो;

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) के अभ्यर्थी से यह भी अपेक्षा की जायेगी कि वह पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड से पात्रता का प्रमाण पत्र प्राप्त कर ले;

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी (ग) का हो तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि के आगे सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

टिप्पणी— ऐसे अभ्यर्थी को जिसके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो कि वह न तो जारी किया गया हो और न देने से इन्कार किया गया हो, किसी परीक्षा में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाण-पत्र उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

आयु

9. टाइगर फोर्स वनविद् के पद पर सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी ने भर्ती के वर्ष की, जिसमें रिक्रिया विज्ञापित या अधिसूचित की जायें, पहली जुलाई को अठ्ठारह वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो और बाईस वर्ष से अधिक आयु प्राप्त न की हो;

परन्तु यह कि उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और ऐसी अन्य श्रेणियों के जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाय, अभ्यर्थियों की दशा में उच्चतर आयु सीमा में इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों के अनुसार छूट अनुमन्य होगी।

शैक्षिक अर्हताएं

10. सेवा में सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थियों के लिए निम्न अर्हताएं होनी आवश्यक हैं :-

(एक) किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से विज्ञान वर्ग से इण्टरमीडिएट की परीक्षा 55 प्रतिशत अंकों सहित उत्तीर्ण की हो; अथवा

(दो) इण्टरमीडिएट विज्ञान परीक्षा 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की हो एवं स्नातक की डिग्री प्राप्त की हो।

अधिमाननी अर्हता

11. अन्य बातों के समान हाने पर भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में अधिमान दिया जायेगा, जिसने :-

(एक) एन.सी.सी. का बी एवं सी ग्रेड सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो;

(दो) स्काउट-गाईड प्रशिक्षण; और

(तीन) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की सेवा की हो।

चरित्र

12. सेवा में भर्ती के लिये अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह

सके। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा।

टिप्पणी— संघ सरकार या किसी राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा या संघ सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगी।

वैवाहिक प्रारिथिति

13. पुरुष जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों अथवा ऐसी महिला जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से ही जीवित पत्नी हो, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होंगे।

परन्तु यदि सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

शारीरिक योग्यता

14. किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि मानसिक और शारीरिक दृष्टि से उसका स्वास्थ्य अच्छा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से युक्त नहीं हो जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को सेवा में नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह वित्तीय हस्तपुस्तिका, खण्ड—दो, भाग—तीन के अध्याय—तीन में दिये गये मूल नियम 10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करें।

शारीरिक उपयुक्तता

15. (एक) पुरुष अभ्यर्थियों के लिए

सामान्य/पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए ऊँचाई न्यूनतम 165 से0मी0, पर्वतीय क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए ऊँचाई न्यूनतम 160 से0मी0 एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए ऊँचाई न्यूनतम 157.5 से0मी0 होनी चाहिए। सीने की माप सामान्य/पिछड़ी तथा अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए बिना फुलाये 78.8 से0मी0 तथा फुलाने पर 83.8 से0मी0 होनी चाहिए एवं पर्वतीय क्षेत्र/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए बिना फुलाये 76.3 से0मी0 तथा फुलाने पर 81.3 से0मी0 होनी चाहिए। दृष्टि एक आंख में 6/6 और दूसरी आंख में 6/6 से कम नहीं होनी चाहिए। अर्थात् बिना चश्मे के दाहिने हाथ से काम करने वाले अभ्यर्थियों के लिए दाहिनी आंख के लिए 6/6 और बांये हाथ से कार्य करने वाले अभ्यर्थियों की बांयी आंख के लिए 6/6 होनी चाहिए। वर्णन्धता/भैंगापन से पूर्ण रूप से मुक्त होना आवश्यक है। सटा घुटना, सपाट पैर, बो लग, वैरिक्जोस वेन, हकलाना, विकलांगता और अन्य विकृतियां या समस्याएँ जो बन्दी रक्षक की ड्यूटी में किसी प्रकार की बाधा पैदा करें, को अयोग्यता माना जायेगा। लिखित परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों का शारीरिक परीक्षण उपरोक्तानुसार किया जायेगा तथा शारीरिक परीक्षण में असफल रहने वाले अभ्यर्थियों के स्थान पर उसके वर्ग की प्रतिष्ठा सूची में अगले अभ्यर्थी को शारीरिक परीक्षण हेतु बुलाया जायेगा।

(दो) महिला अभ्यर्थियों के लिए

सामान्य/पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति की अभ्यर्थियों के लिए ऊँचाई 152 से 0मी0 एवं पर्वतीय क्षेत्र तथा अनुसूचित जनजाति की अभ्यर्थियों के लिए ऊँचाई 147 से 0मी0 से कम नहीं होनी चाहिए। सभी के लिए वजन न्यूनतम 45 कि०ग्रा० होना अनिवार्य है। दृष्टि एक आंख में 6/6 और दूसरी आंख में 6/6 से कम नहीं होनी चाहिए। अर्थात् बिना चश्मे के दाहिने हाथ से काम करने वाली अभ्यर्थियों के लिए दाहिनी आंख के लिए 6/6 और बांये हाथ से कार्य करने वाली अभ्यर्थियों की बांयी आंख के लिए 6/6 होनी चाहिए। वर्णान्धता/भँगापन से पूर्ण रूप से मुक्त होना आवश्यक है। सटा घुटना, सपाट पैर, बों लेग, वैरिकोस वेन, हकलाना, विकलांगता और अन्य विकृतियां या समस्याएँ जो बन्दी रक्षक की ड्यूटी में किसी प्रकार की बाधा पैदा करें, को अयोग्यता माना जायेगा। लिखित परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों का उपरोक्तानुसार शारीरिक परीक्षण किया जायेगा। शारीरिक परीक्षण में असफल रहने वाले अभ्यर्थी के स्थान पर उसके वर्ग की प्रतीक्षा सूची में अगली अभ्यर्थी को शारीरिक परीक्षण हेतु बुलाया जायेगा।

शारीरिक परीक्षा

16. चयन किये गये पुरुष अभ्यर्थियों द्वारा शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा जिसमें उनको अपनी पीठ पर 12 कि०ग्रा० का भार लेकर 25 कि०मी० की दूरी तेज चाल से चलकर 4 घण्टे में पूरी करनी होगी, किन्तु महिलाओं के लिए उनको अपनी पीठ पर 12 कि०ग्रा० का भार लेकर 10 कि०मी० की दूरी तेज चाल से चलकर 04 घण्टे में पूरी करनी होगी। शारीरिक परीक्षा के लिए कोई यात्रा व्यय अनुमन्य नहीं होगा।

भाग-5

भर्ती की प्रक्रिया

रिक्तियों का अवधारण

17. नियुक्ति प्राधिकारी वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 8 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा। नियुक्ति प्राधिकारी तत्समय प्रवृत्त सरकार के नियमों और आदेशों के अनुसार वह प्रमुख समाचार-पत्रों में रिक्तियों को विज्ञापित भी करायेगा।

सीधी भर्ती की प्रक्रिया

18. (1) सीधी भर्ती के प्रयोजन के लिए एक चयन समिति गठित की जाएगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे :-

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी;

अध्यक्ष

(दो) यदि नियुक्ति प्राधिकारी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो तो नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति को कोई प्राधिकारी। यदि नियुक्ति प्राधिकारी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाने वाला अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से भिन्न कोई अधिकारी;

सदस्य

(तीन) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट दो अधिकारी जिनमें से एक अल्पसंख्यक समुदाय या पिछड़े वर्ग का होगा दूसरा सामान्य वर्ग का होगा। यदि ऐसे उपयुक्त अधिकारी उसके विभाग या संगठन में उपलब्ध न हों तो ऐसे अधिकारी नियुक्ति प्राधिकारी के अनुरोध पर सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेंगे; सदस्य

(चार) उत्तराखण्ड के कार्यक्षेत्र में कार्यरत किसी केन्द्रीय पुलिस संगठन द्वारा नामित एक अधिकारी। सदस्य

(पांच) राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा नामित एक अधिकारी। सदस्य

(2) आवेदक अपने आवेदन पत्र प्रकाशित किये गये विज्ञप्ति के सापेक्ष सीधे ही नियुक्ति प्राधिकारी को भेजेंगे एवं प्राप्त आवेदन पत्रों की समीक्षा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा की जायेगी और लिखित परीक्षा, शारीरिक उपयुक्तता एवं शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात उन्हें सेवा में नियुक्ति हेतु आदेश जारी करेगा। किन्तु यह भी कि आवेदक को उत्तराखण्ड राज्य के किसी सेवायोजन कार्यालय में पंजीकृत होना आवश्यक होगा।

(3) लिखित परीक्षा, शारीरिक उपयुक्तता एवं शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की चयन समिति द्वारा अभ्यर्थियों की उनकी प्रवीणता क्रम में जैसा कि लिखित परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों के योग से प्रकट हो, एक सूची तैयार करेगी, यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थी बराबर अंक प्राप्त करें तो चयन समिति अधिक आयु वाले अभ्यर्थियों का नाम चयन समिति योग्यता क्रम में ऊपर रखेगी। चयन समिति सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

(4) लिखित परीक्षा 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या एवं प्रश्नों के लिए निर्धारित किये जाने वाले अंक तथा परीक्षा अवधि के सम्बन्ध में निर्णय नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा लिया जायेगा। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के अन्तर्गत वन एवं वन्य जीवों से सम्बन्धित सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित होंगे।

(5) लिखित परीक्षा की उत्तर सीट कार्बन प्रति के साथ डुप्लीकेट में होगी तथा डुप्लीकेट प्रति अभ्यर्थी को अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जायेगी।

(6) लिखित परीक्षा के पश्चात लिखित परीक्षा की उत्तर माला उत्तराखण्ड की वेबसाईट www.ua.nic.in पर एवं वन विभाग की वेबसाईट www.uttarakhandforest.org पर प्रदर्शित की जायेगी।

नियुक्ति, परिवीक्षा, स्थायीकरण और ज्येष्ठता

नियुक्ति

19. (1) नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों के नाम उसी क्रम में लेकर, जिसमें वे नियम 18 के अधीन तैयार की गयी सूची में आये हों, नियुक्तियां करेगा।

(2) यदि भर्ती हेतु नियुक्ति के समय पृथक-पृथक आदेश जारी किये जायें तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा तो उसमें व्यक्तियों के नामों का उल्लेख ज्येष्ठता क्रम में जैसा कि चयन सूची में अवधारित किया गया होगा, तदनुरूप कोटिक्रम के अनुसार आदेश जारी किये जायेंगे।

परिवीक्षा अवधि

20. (1) टाइगर फार्स फोरेस्टर के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किये जाने पर प्रत्येक व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किये जायेंगे, अलग-अलग मामलों में परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जायेगा जब तक अवधि बढ़ाई जाय, परन्तु उपबन्ध यह है कि आपवादिक प्रस्थितियों के सिवाय परिवीक्षा एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।

(3) यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या अन्त में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसर का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है, या संतोष प्रदान करने में अन्यथा विफल रहा है, तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

(4) ऐसा परिवीक्षाधीन व्यक्ति, जिसकी सेवाएं उप नियम (3) के अधीन समाप्त की जायें प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

स्थायीकरण

21. ऐसे परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति में उसकी परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गयी परिवीक्षा अवधि के अन्त में स्थाई कर दिया जायेगा जब तक कि कार्बेट टाइगर रिजर्व योजना के अन्तर्गत "केन्द्र पोषित योजना प्रोजेक्ट टाइगर" चालू रहे, एवं

(एक) उसका कार्य और आचरण संतोषजनक पाया जाय;

(दो) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित कर दी जाय; और

(तीन) यदि ऐसे नियुक्त व्यक्ति की 40 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक प्रोजेक्ट टाइगर योजना लागू रहती है तो उसे वन विभाग में वन विद् के सीधी भर्ती के समकक्ष पद पर समायोजित कर दिया जायेगा।

(चार) वन विद् के पद पर समायोजन के पश्चात ही उसका विभाग में स्थायीकरण किया जायेगा।

ज्येष्ठता

22. टाइगर फोर्स फोरेस्टर के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों की ज्येष्ठता समय-समय पर यथा संशोधित उत्तरांचल सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के अनुसार अवधारित की जायेगी।

भाग-7

वेतन आदि

- वेतनमान 23. सीधी भर्ती के पद पर नियुक्त व्यक्ति का अनुमन्य वेतनमान वन विद् के पद के सामान होगा और तदनुरूप सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय। वर्तमान में वनविद् पद का वेतनमान निम्नवत रखा गया है :-

क्रमांक	पद का नाम	वेतनमान (₹ में)
1	वनविद्	5200-20200 (ग्रेड वेतन 2400)

- परिवीक्षा अवधि में वेतन 24. मूल नियमों में किसी प्रतिकूल उपबंध के होते हुए भी, परिवीक्षाधीन व्यक्ति को, यदि वह पहले से स्थायी सरकारी सेवा में न हों, समयमान में उसकी प्रथम वेतनवृद्धि तभी दी जायेगी जब उसने एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करते हुए परिवीक्षा अविधि पूरी कर ली हो, और द्वितीय वेतनवृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात तभी दी जायेगी जब उसने परिवीक्षा अवधि पूरी कर ली हो;

परन्तु यह कि यदि संतोष प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाय तो इस प्रकार बढ़ायी गयी अवधि की गणना वेतनवृद्धि के लिए नहीं की जायेगी जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निदेश न दें।

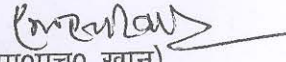
भाग-8

अन्य विनियमन

- पक्ष समर्थन 25. सेवा में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित सिफारिशों से भिन्न किन्हीं सिफारिशों पर, चाहे लिखित हों, चाहे मौखिक, विचार नहीं किया जायेगा। किसी अभ्यर्थी की ओर से अपनी अथ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अनर्ह कर देगा।
- अन्य विषयों का विनियमन 26. ऐसे विषयों के सम्बन्ध में जो विनिर्दिष्ट रूप से इस नियमावली या विशेष आदेशों के अन्तर्गत आते हों, सेवा में नियुक्त व्यक्ति राज्य के कार्यकलापों के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा नियंत्रित होंगे।
- सेवा की शर्तों में शिथिलता 27. जहां राज्य सरकार का यह समाधान हो जाय कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों को विनियममित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में कठिनाई होती है, वहां वह उस मामले में लागू नियमों में किसी बात के होते हुए भी, आदेश द्वारा उस नियम की अपेक्षाओं को उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन जिन्हें वह मामले में न्याय संगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिए उपयुक्त समझे, अवमुक्त या शिथिल कर सकती है।

28. इस नियमावली में किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सरकार के आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध किया जाना अपेक्षित हो।

आज्ञा से,


(एम०एच० खान)

सचिव

पत्रावली संख्या 19(34)/2006 टी०सी०-3(1)

वन एवं पर्यावरण विभाग।